भारत में जनसंख्या : जनांकिकी प्रवृत्तियां
(POPULATION IN INDIA : DEMOGRAPHIC TRENDS)

जनसंख्या का आकार
(Size of Population)

जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का स्थान चीन के बाद दूसरा है। भारत का भू-क्षेत्र संसार के भू-क्षेत्र का लगभग 2.4 प्रतिशत है लेकिन यहां रहने वाली जनसंख्या समस्त विश्व की जनसंख्या की 16.85 प्रतिशत है। 2001 में विकासशील देशों की कुल जनसंख्या का 19.96 प्रतिशत (अर्थात पांचवां हिस्सा) भारत में निवास करता था। ये तथ्य इस बात को स्पष्ट करते हैं कि भारत में जनसंख्या का अत्यधिक दबाव है। स्थिति कितनी विकट है इसका अन्दाज इस बात से हो सकता है कि वर्तमान में भारत की राष्ट्रीय आय कुल विश्व आय के 1.2 प्रतिशत से भी कम है।

2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 102.90 करोड़ थी। अनुमान है कि 2008-09 में यह बढ़कर 115.40 करोड़ हो गई। 1901 की जनगणना के अनुसार, उस वर्ष देश की जनसंख्या 23.83 करोड़ थी। इस प्रकार 108 वर्ष की अवधि में देश की जनसंख्या में 91 करोड़ से अधिक की वृद्धि हुई। यदि इसे सापेक्षिक रूप से धीमी आर्थिक संवृद्धि के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह निश्चय ही एक चिन्ताजनक स्थिति है। परन्तु देश की जनसंख्या में सभी दशकों में एक भी वृद्धि नहीं हुई है। यह बात सारणी 8.1 में दिए गए आंकड़ों से स्पष्ट है।

सारणी 8.1 : भारत की जनसंख्या (1951-2009)

जनगणना का वर्ष	जनसंख्या करोड़ में	औसत वार्षिक वृद्धि दर	जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्ग किमी.)
1951	36.10	1.26	117
1961	43.91	1.98	142
1971	54.82	2.20	178
1981	68.52	2.25	216
1991	84.63	2.14	274
2001	102.90	1.93	324
2006	111.20	1.60	351
2009*	115.40	1.41	—

* जनसंख्या प्रक्षेपण

स्रोत : Kingsley Davis, *The Population of India and Pakistan* (Princeton 1951); Government of India, *Census of India,* 1981, 1991 and 2001; Group of Population Projection (May 2006), and Tata Consultancy Services, *Statistical Outline of India* 2008-09, (Mumbai, 2009), Table 24, p. 32.

जनसंख्या संवृद्धि की दर
(Rate of Population Growth)

स्वतन्त्रता के बाद मृत्यु दर में तेज़ गिरावट हुई है (खासतौर पर अकालों पर नियन्त्रण के कारण तथा चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के कारण)। मृत्यु दर में होने वाली गिरावट 1950 के दशक में किए गए अनुमानों की तुलना में अधिक रही है। योजना आयोग तथा जनगणना कमिश्नर ने अनुमान लगाया था कि 1951-61 के दशक में वही प्रवृत्ति रहेगी जो 1941-51 के दशक में थी। इसलिए जब 1951-61 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की वास्तविक दर 1.96 प्रतिशत दर्ज की गई तो आयोजक आश्चर्यचकित रह गए। इससे सरकार को गंभीर चिन्ता हुई। 1961-71 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर 2.2 प्रतिशत रही जो पिछले दशक की तुलना में और भी ज्यादा थी।

Scanned with CamScanner

1981 की जनगणना में यह बात कही गई कि 1970 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर लगभग वही रही जो 1960 के दशक में थी। 1991 की जनगणना में भी यह पता लगा कि 1980 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर 2.14 प्रतिशत थी। इस प्रकार सरकार की यह आशा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम के परिणामस्वरूप जनसंख्या वृद्धि की दर में तेज़ गिरावट होगी, गलत सिद्ध हुई। 1996-2016 के लिए रजिस्टरार जनरल के जनसंख्या प्रक्षेपण में यह अनुमान लगाया गया था कि 1990 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर गिर कर 1.84 प्रतिशत रह जाएगी। परन्तु ये प्रक्षेपण गलत निकले। **2001 की जनगणना से स्पष्ट हो गया कि 1990 के दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर 1.93 प्रतिशत प्रति वर्ष रही। इसलिए भारत अभी भी जनांकिकी परिवर्तन की दूसरी अवस्था में से गुजर रहा है। इसलिए जनसंख्या विस्फोट (population explosion) की स्थिति बनी हुई है। यह देश के अल्पविकास का कारण भी है और परिणाम भी।** सारणी 8.2 में भारत के जनसंख्या प्रक्षेपण से अन्दाज़ लगता है कि भारत में शीघ्र ही जनसंख्या वृद्धि की दर में गिरावट होगी और यह देश तब संभवतः जनांकिकी परिवर्तन की तीसरी अवस्था में पहुँच जाएगा।

सारणी 8.2 : भारत के जनसंख्या प्रक्षेपण

(करोड़ में)

वर्ष	2001	2006	2011	2016	2021	2026
कुल	102.9	112.2	119.3	126.9	134.0	140.0
0-15 वर्ष	36.5	35.7	34.7	34.0	33.7	32.7
15-65 वर्ष	61.9	69.9	78.0	85.1	90.8	95.7
65 वर्ष से अधिक	4.5	5.6	6.6	7.8	9.5	11.6

स्रोत : Population Projections for India and States, 2001-2026, *Census of India 2001 :* Report of the Technical Group on Population Projection constituted by the National Commission on Population, May 2006.

Scanned with CamScanner